No. of Printed Pages : 6

BFDI–073

CERTIFICATE IN FASHION DESIGN (CFDE)

Term-End Examination

June, 2024

BFDI-073 : Introduction to Fashion Industry

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Question No. **1** is compulsory. Answer **five** questions in all. All questions carry equal marks.*

1. (a) Explain the following in 2-3 sentences each : 7×2=14

   (i) Natural fibres

   (ii) Casement

   (iii) Sustainability

   (iv) Fashion marketing

   (v) Retailer

   (vi) Store Management

   (vii) Customer Relationship Management

(b) Explain the following with the help of examples : 2×3=6

(i) Technical test of cotton

(ii) Concept of Apparel.

2. (a) Describe the classification of Textile fibres based on the length. 10

(b) Explain 'Fibre Blending' with examples. 10

3. (a) Discuss the trend of global fashion industry and retail sector. 10

(b) Explain the concept of market segmentation in the fashion industry with the help of illustration. 10

4. (a) Describe the concept of Ethical fashion and its issues in the fashion business. 10

(b) Explain the structural changes that have taken place in the Indian Fashion Retail Section. 10

5. (a) Discuss the key components of retail operations 10

(b) Describe the role of the retail operations manager. 10

6. (a) Write about the characteristics of textile fibres with the help of examples. 10

   (b) Describe the wool and woollen textile industry of India using suitable example. 10

7. Write short notes on the following : 4×5=20

   (a) Proportion of fibres

   (b) Leather and Footwear Industry of India

   (c) Ritu Kumar

   (d) Differentiate between traditional and present day retail market strategies.

BFDI-073

फैशन डिजाइन में प्रमाण-पत्र (सो. एफ. डी. ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एफ.डी.आई.-073 : फैशन उद्योग का परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या* ***1*** *अनिवार्य है। किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. (अ) निम्नलिखित को 2-3 वाक्यों में व्याख्या कीजिए : 7×2=14

(i) प्राकृतिक रेशा (फाइबर)

(ii) केसमेंट (सूती कपड़ा)

(iii) संधारणीयता (वहनीयता)

(iv) फैशन विपणन (मार्केटिंग)

(v) फुटकर विक्रेता

(vi) विभाग (स्टोर) प्रबंधन

(vii) ग्राहक संबंध प्रबंधन।

(ब) निम्नलिखित को उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए : 2×3=6

(i) कपास का तकनीको परीक्षण

(ii) परिधान की अवधारणा।

2. (अ) लंबाई के आधार पर (कपड़ा फाइबर) वस्त्र तन्तु के वर्गीकरण का वर्णन कीजिए। 10

(ब) फाइबर (तन्तु) सम्मिश्रण की उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। 10

3. (अ) वैश्विक फैशन उद्योग और खुदरा क्षेत्र की प्रवृत्ति पर चर्चा कीजिए। 10

(ब) चित्रण की मदद से फैशन उद्योग में बाजार विभाजन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

4. (अ) फैशन व्यवसाय में नैतिक फैशन और इसके मुद्दों की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 10

(ब) भारतीय फैशन खुदरा क्षेत्र में हुए संरचनात्मक परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए। 10

5. (अ) खुदरा संचालन के प्रमुख घटकों पर चर्चा कीजिए। 10

(ब) खुदरा संचालन प्रबंधक की भूमिका का वर्णन कीजिए। 10

6. (अ) वस्त्र तन्तु की विशेषताओं के बारे में उदाहरण के साथ लिखिए। 10

(ब) उपयुक्त उदाहरणों के साथ भारत के ऊन और ऊनी वस्त्र उद्योग का वर्णन कीजिए। 10

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए : 4×5=20

(अ) तंतुओं के गुण

(ब) भारत का चमड़ा और जूता उद्योग

(स) रितु कुमार

(द) पारंपरिक वर्तमान खुदरा बाजार रणनीतियों के बीच अंतर।